UPPCS PRE 24 MA ANSWER- 23

1. वर्ष 1799 के 'पोलिगारों का विद्रोह' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसे प्रायः 'दक्षिण भारतीय विद्रोह' की संज्ञा भी दी जाती है।
2. 'पोलिगार' नीलगिरि की पहाड़ियों पर निवास करनी वाली एक जनजाति थी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) न तो 1, न ही 2

(c) केवल 2

(d) 1 और 2 दोनों

1. उत्तर -(a)

पोलिगारों का विद्रोह

(विद्रोह का समय - 1799-1801 ई., नेतृत्व – पी. कट्टवामन्न)

- **'पोलिगार'** दक्षिण भारत में जमींदारों का एक वर्ग था जो लोगो से कर की वसूली भी करता था। इस बिंदु पर उनके और कंपनी के हितों में टकराव उत्पन्न हुआ क्योंकि कंपनी के राजस्व की वृद्धि के लिए पोलिगारों पर नियंत्रण आवश्यक था।
- पोलीगार विद्रोह को **'दक्षिण भारतीय विद्रोह'** की संज्ञा भी दी जाती है।
- विद्रोह के दमन के पश्चात् **वर्ष 1801** में **'कर्नाटक की संधि (31 जुलाई 1801)'** पर हस्ताक्षर किये गए जिससे अंग्रेजों ने वर्तमान तमिलनाडु के अधिकांश हिस्सों पर सीधा नियंत्रण स्थापित कर लिया था।
- इसके परिणामस्वरूप **'पॉलीगर प्रणाली'** जो ढ़ाई सदियों से चली आ रही थी, का हिंसक अंत हुआ और कंपनी ने उसकी जगह पर **'जमींदार व्यवस्था'** शुरू की।

https://t.me/pcsstudies1

अतिरिक्त ज्ञान:

खोंड एवं सवार विद्रोह

- **'खोंड जनजाति'** के लोग **उड़ीसा** से लेकर बंगाल और मध्य भारत तक फैले थे। इन्होंने **ब्रिटिश सरकार के विरूद्ध विद्रोह** किया।
- **खोंड** लोगों के विद्रोह का मुख्य कारण था - **सरकार द्वारा नये करों को लगाने का भय, उनके क्षेत्रों में जमींदारों और साहूकारों का प्रवेश, खोंडो में प्रचलित नर बलि प्रथा (मोरिया) पर सरकार द्वारा प्रतिबंध** लगाना आदि।
- **खोंड विद्रोह** का नेतृव **'चक्र बिसोई'** ने किया वर्ष 1855 में चक्र बिसोई लापता हो गया, जिसके बाद **वर्ष 1856 में 'राधाकृष्ण दंडसेना'** के नेतृत्व में **'सवार आंदोलन'** शुरू हुआ।
- **वर्ष 1857** में **दंडसेना को फाँसी** पर लटका दिये जाने से आंदोलन समाप्त हो गया।

2. 'पाइका विद्रोह' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इस विद्रोह का नेतृत्व 'दाजी कृष्ण पंडित' ने किया था।

2. उत्तर -(b)

पाइका विद्रोह (1817-25)

- **पाइका** (उच्चारण 'पाइको', शाब्दिक रूप से 'पैदल सैनिक') को

search @pcsstudies1 on telegram

2. महाराष्ट्र के कोल्हापुर में यह विद्रोह हुआ था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 2

(b) न तो 1, न ही 2

(c) केवल 1

(d) 1 और 2 दोनों

16वीं शताब्दी के बाद से **'ओडिशा'** में राजाओं द्वारा विभिन्न सामाजिक समूहों से वंशानुगत कर-मुक्त भूमि और उपाधियों के बदले **सैन्य सेवाएंँ प्रदान करने के लिये भर्ती किया गया वर्ग** था।

- अंग्रेज़ोंं के नए **औपनिवेशिक प्रतिष्ठान और भू-राजस्व बंदोबस्त** लागू होने से **पाइको** ने अपनी संपदा खो दी थी।
- **पाइक लोगों** ने भगवान जगन्नाथ को उड़िया एकता का प्रतीक मानकर **'बख्शी जगबन्धु'** के नेतृत्व में **1817 ई.** में यह विद्रोह शुरू किया था। शीघ्र ही यह आन्दोलन पूरे उड़ीसा में फैल गया किन्तु अंग्रेजों ने निर्दयतापूर्वक इस आन्दोलन को दबा दिया।
- कुछ इतिसकार इसे **'भारत का प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम'** की संज्ञा देते हैं।

अतिरिक्त ज्ञान:

गडकरी विद्रोह (1844)

- महाराष्ट्र के **कोल्हापुर** में यह आंदोलन हुआ था।
- गडकरी लोग मराठों के किलों में कार्यरत **वंशानुगत सैनिक** थे।
- इस विद्रोह का नेतृत्व **'दाजी कृष्ण पंडित'** ने किया था।
- गडकरियों ने **'समनगढ़'** तथा **'भूदरगढ़'** के किलों को जीत लिया था।
- सरकार को गडकरियों के विद्रोह को दबाने के लिये काफी संघर्ष करना पड़ा था।

https://t.me/pcsstudies1

3. सूची I (विद्रोह) को सूची II (सम्बंधित क्षेत्र) से सुमेलित कीजिये:

सूची I	सूची II
A. खासी विद्रोह	**1.** बिहार व उत्तरी बंगाल
B. कोल विद्रोह	**2.** छोटा नागपुर
C. संन्यासी विद्रोह	**3.** असम (तत्कालीन)
D. चुआर विद्रोह	**4.** मिदनापुर (बंगाल)

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-3, B-1, C-2, D-4

(b) A-4, B-1, C-2, D-3

(c) A-3, B-2, C-1, D-4

(d) A-4, B-2, C-1, D-3

3. उत्तर -(c)

भारत में हुए प्रमुख जनआंदोलन

- **विद्रोह - काल - नेता - क्षेत्र**
- **खासी विद्रोह -** 1822 – 1832 ई0 - तीरथ सिंह - **असम (तत्कालीन)**
- **कोल विद्रोह -** 1820 – 1836 ई0 - बुद्धो भगत व केशो भगत - **छोटा नागपुर**
- **संन्यासी विद्रोह -** 1763 – 1800 ई0 - केना सरकार - **बिहार व उत्तरी बंगाल**
- **चुआर विद्रोह -** 1798 ई0 - दुर्जन सिंह - **बांकुरा/मिदनापुर (बंगाल)**

अतिरिक्त ज्ञान:

- **'सन्यासी विद्रोह'** में **चिराग अली, देवी चौधरानी** और **भवानी पाठक** शामिल थे।
- भारत के पहले आधुनिक उपन्यासकार **बंकिम चंद्र चटर्जी** द्वारा लिखित **आनंदमठ** संन्यासी और फकीर विद्रोह का सबसे अच्छा अनुस्मारक है।

4. 'संथाल विद्रोह' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

4. उत्तर -(b)

संथाल विद्रोह

MakeIAS www.PDFNOTES.co

search @pcsstudies1 on telegram

1. यह ब्रिटिश औपनिवेशिक व्यवस्था के विरुद्ध प्रथम व्यापक सशस्त्र विद्रोह था।
2. इस विद्रोह का केंद्र वर्तमान पंजाब था।
3. इस विद्रोह का नेतृत्व सिद्धू तथा कान्हू ने किया था।
4. इस विद्रोह का मूल कारण अंग्रेजों के द्वारा ज़मीदारी व्यवस्था तथा साहूकारों एवं महाजनों के द्वारा शोषण एवं अत्याचार था।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) दो

(b) तीन

(c) एक

(d) चार

- **'संथाल विद्रोह'** ब्रिटिश औपनिवेशिक व्यवस्था के विरुद्ध प्रथम व्यापक सशस्त्र विद्रोह था।
- यह विद्रोह **वर्ष 1855** में प्रभावी हुआ तथा **1856 में इसका दमन** कर दिया गया।
- इस विद्रोह का केंद्र **भागलपुर से लेकर राजमहल की पहाड़ियों** तक था।
- इस विद्रोह का मूल कारण अंग्रेजों के द्वारा जमीदारी व्यवस्था तथा साहूकारों एवं महाजनों के द्वारा शोषण एवं अत्याचार था।
- इस विद्रोह का नेतृत्व **सिद्धू तथा कान्हू** ने किया था।
- **संथाल, 'दामन ए कोह'** नामक क्षेत्र में निवास करने वाले आदिवासी थे।

<u>अतिरिक्त ज्ञान:</u>

कूका विद्रोह

- **कूका विद्रोह** की शुरुआत **पंजाब** में 1860-1870 ई. में हुई थी।
- सिखों के नामधारी संप्रदाय के लोग कूका भी कहलाते हैं। इस पन्थ का आरम्भ **1840 ईस्वी** में हुआ था। इसे प्रारम्भ करने का **श्रेय सियान साहब अर्थात 'भगत जवाहर मल'** को जाता है।
- यह आंदोलन धार्मिक आंदोलन के रूप में प्रारंभ हुआ था। इसका उद्देश्य सिख धर्म में प्रचलित बुराइयों व अंधविश्वासों को दूर करना था, परंतु अंग्रेजों का पंजाब पर अधिकार करने के पश्चात् यह आंदोलन राजनीतिक आंदोलन में परिवर्तित हो गया।
- सियान साहब ने अपने शिष्य **'बालक सिंह'** के साथ मिलकर अपने अनुयायियों का एक दल गठित किया,जिसका मुख्यालय 'हजारा' में था।
- इस विद्रोह के विरुद्ध अपनी दमनकारियों नीतियों को अपनाते हुये अंग्रेज़ों ने 1872 ई. में इसके एक नेता **'रामसिंह कूका'** को रंगून निर्वासित कर दिया और आन्दोलन पर नियन्त्रण पा लिया गया।

https://t.me/pcsstudies1

5. 'मुंडा विद्रोह' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. ये विद्रोह वर्ष 1899-1901 के मध्य झारखण्ड में हुआ था।
2. 'खून्टकुट्टी प्रथा' का सम्बन्ध इसी विद्रोह से था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 2

(b) केवल 1

(c) न तो 1, न ही 2

(d) 1 और 2 दोनों

5. उत्तर -(d)

मुंडा विद्रोह

- ये विद्रोह **1899-1901** के मध्य झारखण्ड में हुआ था जिसे **'मुंडा उलगुलन' या 'महान हलचल'** कहा जाता है।
- परंपरागत रूप से प्रचलित सामूहिक कृषि **(खून्टकुट्टी)** को जागीरदारों, ठेकेदारों, बनियों, सूदखोरों के द्वारा निजी संपत्ति घोषित करने के कारण ही यह विद्रोह हुआ था।
- ईसाई मिशनरियों द्वारा धर्म परिवर्तन का प्रयास भी प्रमुख समस्या थी।
- विद्रोह के बाद **'छोटा नागपुर टेनेंसी एक्ट'** पास किया गया जिससे **मुंडा जाति के अधिकारों कों संरक्षण** मिला था।

MakeIAS
www.PDFNOTES.co
search @pcsstudies1 on telegram

अतिरिक्त ज्ञान:

ताना भगत आन्दोलन

- **'ताना भगत आन्दोलन'** की शुरुआत **वर्ष 1914 ई.** में **बिहार (छोटा नागपुर पठार)** में हुई थी।
- यह **ऐसा धार्मिक आन्दोलन था, जिसके राजनीतिक लक्ष्य** थे।
- **'जतरा भगत'** ने वर्ष 1914 में आदिवासी समाज में पशु बलि, मांस भक्षण, जीव हत्या, शराब सेवन आदि दुर्गुणों को छोड़ कर सात्विक जीवन यापन करने का अभियान छेड़ा। उन्होंने भूत-प्रेत जैसे अंधविश्वासों के ख़िलाफ़ सात्विक एवं निडर जीवन की नयी शैली का सूत्रपात किया।

6. सूची I (विद्रोह) को सूची II (सम्बंधित क्षेत्र) से सुमेलित कीजिये:

सूची I	सूची II
A. पागलपंथी विद्रोह	**1.** केरल
B. कूका विद्रोह	**2.** आंध्र प्रदेश
C. मोपला विद्रोह	**3.** पंजाब
D. रम्पा विद्रोह	**4.** बंगाल

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-1, B-2, C-3, D-4

(b) A-2, B-3, C-4, D-1

(c) A-4, B-3, C-1, D-2

(d) A-3, B-4, C-2, D-1

6. उत्तर -(c)

- **विद्रोह - सम्बंधित क्षेत्र**
- पागलपंथी विद्रोह - बंगाल
- कूका विद्रोह - पंजाब
- मोपला विद्रोह - केरल
- रम्पा विद्रोह - आंध्र प्रदेश

अतिरिक्त ज्ञान:

अहोम विद्रोह

- अंग्रेज़ों के विरुद्ध अहोम विद्रोह **1828 ई.** में किया गया था।
- असम के 'कुली' वर्ग के व्यक्तियों ने ईस्ट इण्डिया कम्पनी पर बर्मा युद्ध के समय किये गये असम से लौटने के वायदे से मुकरने का आरोप लगाया।
- अहोमों ने अंग्रेज़ों के अहोम प्रदेश को अपने साम्राज्य में मिलाने के प्रयास इस प्रयास को विफल करने के लिये 1828 ई. में **'गोमधर कुंअर'** के नेतृत्व में विद्रोह कर दिया तथा रंगपुर पर चढ़ाई की योजना बनाई।
- 1830 ई. में अहोमों द्वारा दूसरे विद्रोह की योजना बनाई गयी परन्तु ,कम्पनी ने शान्ति की नीति अपनाते हुए उत्तरी असम के प्रदेश महाराज **'पुरन्दर सिंह'** को दे दिये और विद्रोह शांत हो गया।

https://t.me/pcstudies1

7. 'जेलियांगसांग विद्रोह' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. आदिवासी नेता 'जदोनांग' के नेतृत्व में इस आन्दोलन की शुरुआत हुई थी।
2. इस विद्रोह का केन्द्र 'मणिपुर' था।
3. यह आन्दोलन '1857 की क्रान्ति' से पहले संपन्न हुआ था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2

7. उत्तर -(a)

जेलियांगसांग विद्रोह

- **'जेलियांगसांग विद्रोह'** का **केन्द्र 'मणिपुर'** था।
- यह आन्दोलन **'नागा जनजाति'** द्वारा प्रारम्भ किया गया।
- ये जनजातियाँ मिशनरियों के द्वारा अपने सांस्कृतिक प्रचार-प्रसार के विरुद्ध थी।
- आदिवासी नेता **'जदोनांग'** के नेतृत्व में इस आन्दोलन की शुरुआत हुई। **1930 ई.** में इन्हे फाँसी दे दी गई थी।
- जदोनांग की मृत्यु के बाद इस आन्दोलन का नेतृत्व **रानी**

MakeIAS
www.pdfnotes.co
search @pcstudies1 on telegram

(b) 1, 2 और 3

(c) केवल 2

(d) केवल 1 और 3

'गैडिन्ल्यू' ने किया। उन्होंने इस आन्दोलन को गांधीजी के सविनय अवज्ञा आन्दोलन के साथ जोड़ दिया।

- **जवाहरलाल नेहरू** ने उसे **'रानी' की उपाधि** दी थी।

अतिरिक्त ज्ञान:

रम्पा विद्रोह

- **रम्पा विद्रोह** का नेतृत्व **विशाखापत्तनम जिले** और वर्तमान आंध्र प्रदेश में स्थित पूर्वी गोदावरी में **'अल्लूरी सीताराम राजू'** ने किया था।
- वे बंगाल के क्रांतिकारियों से प्रेरित थे जिसने उन्हें अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह करने के लिए प्रेरित किया।
- यह विद्रोह **वर्ष 1922 से 1924 तक** जारी रहा जिसमें अल्लूरी और उसके समर्थकों ने कई पुलिस थानों में धरना दिया और विभिन्न अधिकारियों को मार डाला, जबकि हथियार और गोला-बारूद भी चुरा लिया।

8. 'बिरसा मुंडा' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. वे एक भारतीय आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी और मुंडा जनजाति के लोक नायक थे।
2. उनका जन्म वर्ष 1775 में हुआ था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 2

(b) 1 और 2 दोनों

(c) न तो 1, न ही 2

(d) केवल 1

8. उत्तर -(d)

बिरसा मुंडा (Birsa Munda)

- बिरसा मुंडा एक **भारतीय आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी** और **मुंडा जनजाति के लोक नायक** थे।
- **बिरसा मुंडा** का जन्म **वर्ष 1875 में** हुआ था। वे **'मुंडा जनजाति'** के थे।
- उनका मानना था कि उन्हें भगवान ने लोगों की भलाई और उनके दुःख दूर करने के लिये भेजा है, इसलिये वे स्वयं को भगवान मानते थे। उन्हें अक्सर **'धरती अब्बा' (Dharti Abba) या 'जगत पिता'** के रूप में जाना जाता है।
- **वर्ष 1899-1900 में** बिरसा मुंडा के नेतृत्व में हुआ **मुंडा विद्रोह** छोटा नागपुर (झारखंड) के क्षेत्र में सर्वाधिक चर्चित विद्रोह था। इसे **'मुंडा उलगुलान' (विद्रोह)** भी कहा जाता है।
- इस विद्रोह की शुरुआत मुंडा जनजाति की पारंपरिक व्यवस्था **'खूंटकटी'** की ज़मींदारी व्यवस्था में परिवर्तन के कारण हुई थी।

अतिरिक्त ज्ञान:

- **'बिरसा मुंडा'** के नेतृत्व में हुआ यह **विद्रोह छोटा नागपुर (वर्तमान झांरखंड में स्थिति)** के क्षेत्र में इस अवधि का सर्वाधिक **चर्चित आदिवासी विद्रोह** था।
- **मुंडाओं** की पारंपरिक भूमि व्यवस्था **खूँटकट्टी (एक तरह की सामूहिक खेती)** का जमींदारी या व्यक्तिगत भू-स्वामित्व वाली भूमि व्यवस्था में परिवर्तन के विरूद्ध **बिरसा मुंडा** द्वारा विद्रोह की शुरूआत हुई, लेकिन कालांतर में बिरसा मुंडा ने इसे **धार्मिक-राजनीतिक आंदोलन का रूप** प्रदान किया।
- **मुंडा विद्रोह** को **'उल्गुलान विद्रोह' (महान हलचल)** के रूप में भी जाना जाता है।

https://t.me/pcstudies1

MakeIAS
www.PDFNOTES.co

search @pcstudies1 on telegram

9. सूची I (विद्रोह) को सूची II (नेता) से सुमेलित कीजिये:

सूची I	सूची II
A. कोल विद्रोह	**1.** चित्तर सिंह
B. खासी विद्रोह	**2.** अल्लूरी सीताराम राजू
C. रम्पा विद्रोह	**3.** तीरथ सिंह
D. रामोसी विद्रोह	**4.** बुद्धो भगत

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-1, B-2, C-4, D-3

(b) A-4, B-3, C-2, D-1

(c) A-2, B-1, C-4, D-3

(d) A-2, B-3, C-4, D-1

9. उत्तर -(b)

- **विद्रोह - स्थान - नेता**
- **कोल विद्रोह -** छोटा नागपुर पठार **- बुद्धो भगत**
- **खासी विद्रोह -** मेघालय **- तीरथ सिंह**
- **रम्पा विद्रोह -** आंध्र प्रदेश **- अल्लूरी सीताराम राजू**
- **रामोसी विद्रोह -** पश्चिमी घाट (महाराष्ट्र) **- चित्तर सिंह**

अतिरिक्त ज्ञान:

भारतीय वन अधिनियम -1865

- **वर्ष 1865** के **'भारतीय वन अधिनियम'** ने **वनों को राज्य की संपत्ति** घोषित किया था।
- **वर्ष 1865** के अधिनियम ने ब्रिटिश सरकार को यह अधिकार दिया कि वह पेड़ों से आच्छादित किसी भी भूमि को सरकारी वन घोषित कर सकती है और उसके प्रबंधन के लिए नियम बना सकती है।

10. निम्नलिखित विद्रोहों को कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिये:

1. प्रथम रम्पा विद्रोह
2. रामोसी विद्रोह
3. मुंडा विद्रोह
4. खासी विद्रोह

कूट:

(a) 2 - 1 - 4 - 3

(b) 3 - 1 - 4 - 2

(c) 2 - 4 - 1 - 3

(d) 3 - 4 - 1 - 2

10. उत्तर -(c)

प्रमुख विद्रोह

- पहाड़ियाँ विद्रोह (1778 ई०)
- **रामोसी विद्रोह (1822 - 1826 ई०)**
- **खासी विद्रोह (1829 - 1833 ई०)**
- गड़करी विद्रोह (1844 ई०)
- संथाल विद्रोह (1855 - 56 ई०)
- **प्रथम रम्पा विद्रोह (1879 ई०)**
- **मुंडा विद्रोह (1899 - 1900 ई०)**

https://t.me/pcsstudies1

अतिरिक्त ज्ञान:

- वर्ष 1879 का **रम्पा विद्रोह** (जिसे 1922-24 के रम्पा विद्रोह से अलग करने के लिए **प्रथम रम्पा विद्रोह** के रूप में भी जाना जाता है) ब्रिटिश सरकार के खिलाफ विजागपट्टम जिले के विजागपट्टम हिल ट्रैक्ट्स एजेंसी के रम्पा क्षेत्र में **पहाड़ी जनजातियों द्वारा किया गया विद्रोह** था।
- **वर्ष 1922** का **रम्पा विद्रोह,** जिसे **मान्यम विद्रोह** के रूप में भी जाना जाता है, ब्रिटिश भारत के मद्रास प्रेसीडेंसी की गोदावरी एजेंसी में **अल्लूरी सीताराम राजू** के नेतृत्व में एक **आदिवासी विद्रोह** था।

11. सामाजिक कार्यकर्ता 'अमृतलाल विट्ठलदास ठक्कर' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. जनजातीय लोगों के संबंध में 'आदिवासी' शब्द का प्रयोग उन्होंने ही किया था।
2. वे भारतीय संविधान सभा के भी सदस्य थे।

11. उत्तर -(b)

- **अमृतलाल विट्ठलदास ठक्कर** भारत के एक सामाजिक कार्यकर्ता थे जिन्होंने गुजरात में जनजातीय लोगों के उत्थान के लिए कार्य किया। उन्हें प्रायः **'ठक्कर बापा'** के नाम से जाना जाता है। वे **भारतीय संविधान सभा के भी सदस्य** थे।

MakeIAS
www.PDFNotes.co
search @pcsstudies1 on telegram

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 2

(b) 1 और 2 दोनों

(c) न तो 1, न ही 2

(d) केवल 1

- जनजातीय लोगों के संबंध में **'आदिवासी'** शब्द का प्रयोग **'ठक्कर बापा'** ने किया था। ये प्रमुख **गाँधीवादी कार्यकर्ता** एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। जिन्होंने जनजातीय कल्याण के लिए पथ प्रदर्शक का काम किया था। ये **'हरिजन सेवा संघ' के महासचिव** थे। वे **'सर्वेन्ट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी' के निष्ठावान सदस्य** भी रहे।

अतिरिक्त ज्ञान:

भारत में 'आदिवासी विद्रोह' के परिणाम या महत्व

यद्यपि ज्यादा जनजाति विद्रोह को ब्रिटिश सेना द्वारा कुचल दिया गया था किंतु उन विद्रोह के कुछ सकारात्मक परिणाम भी रहे जैसे –

- जनजातियों में एकता और संगठनात्मक प्रवृत्ति का विकास हुआ।
- परंपरागत एवं स्थानीय विद्रोह की परंपरा स्थापित हुई।
- आगे भारत के स्वतंत्रता संग्राम में जनजातियों का भी विशेष योगदान और सहयोग रहा।
- जनजाति लोगों में राष्ट्रीयता की भावना बढ़ावा मिला।

12. निम्नलिखित विद्रोहों को कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिये?

1. संथाल विद्रोह
2. नील विद्रोह
3. पाबना विद्रोह
4. दक्कन विद्रोह

कूट:

(a) 2, 3, 1, 4

(b) 1, 3, 2, 4

(c) 1, 2, 3, 4

(d) 2, 1, 3, 4

12. उत्तर -(c)

- **विद्रोह - अवधि**
- **संथाल विद्रोह** (1855-56)
- **नील विद्रोह** (1859-60)
- **पाबना विद्रोह** (1872-1875)
- **दक्कन विद्रोह** (1875)

अतिरिक्त ज्ञान:

- **संथाल विद्रोह (1855-56) -** संथाल विद्रोह पर संथालों को वैश्विक गौरव प्राप्त है जिसमें 1,000 से अधिक संथाल और **सिद्धो** व **कान्हो** के नेताओं ने वर्चस्व को लेकर **विशाल ईस्ट इंडिया कंपनी (अंग्रेज़ों)** के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी।
- **नील विद्रोह (1859-60) -** यह ब्रिटिश बागान मालिकों के खिलाफ **किसानों द्वारा** किया गया विद्रोह था, क्योंकि उन्हें उन शर्तों के तहत नील उगाने हेतु मजबूर किया गया था जो कि किसानों के लिये प्रतिकूल थे।
- **पाबना विद्रोह (1872-1875) -** यह ज़मींदारों के उत्पीड़न के खिलाफ एक प्रतिरोध आंदोलन था। इसकी उत्पत्ति **'युसुफशाही परगना'** में हुई थी, जो अब बृहत्तर पाबना, बांग्लादेश में सिराजगंज ज़िला है।
- **दक्कन विद्रोह (1875) -** दक्कन के किसान विद्रोह मुख्य रूप से मारवाड़ी और गुजराती साहूकारों की ज्यादतियों के खिलाफ थे। रैयतवाड़ी व्यवस्था के तहत रैयतों को भारी कराधान का सामना करना पड़ा। वर्ष 1867 में भू-राजस्व में भी 50% की वृद्धि की गई।

MakeIAS
www.pdfnotes.co
search @pscstudies1 on telegram

13. 'अहोम विद्रोह' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह विद्रोह वर्ष 1914 में शुरू हुआ और 1919 में समाप्त हुआ था।
2. इसका नेतृत्व 'गोमधर कुँवर' ने किया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 2

(b) न तो 1, न ही 2

(c) केवल 1

(d) 1 और 2 दोनों

13. उत्तर -(a)

अहोम विद्रोह (1828-1830)

- औपनिवेशिक काल में असम, नागालैंड, मेघालय और मिजोरम ब्रिटिश प्रांत के अंतर्गत थे, जिन्हें **'असम'** कहा जाता था।
- **वर्ष 1826 में** जब ब्रिटिश सरकार ने असम के खेतों को चाय बागानों में परिवर्तित कर दिया और राजस्व वसूलना आरंभ कर दिया, तो अहोम लोगों ने **'गोमधर कुँवर'** के नेतृत्व में **वर्ष 1828 में** सरकार के विरुद्ध विद्रोह कर दिया। कंपनी ने अपनी शक्तिशाली सेना के द्वारा इस विद्रोह का दमन कर दिया और गोमधर कुँवर को बंदी बनाकर निर्वासित कर दिया। किंतु अहोम का यह विद्रोह स्थायी रूप से दबाया नहीं जा सका।
- अहोम लोगों ने 1829-1830 में **रूपचंद्र कुँवर** के नेतृत्व में दूसरी बार विद्रोह की नई योजना बनाई, किंतु इस समय कंपनी बहादुर ने शांति की नीति अपनाई, उत्तरी असम के प्रदेश एवं कुछ अन्य क्षेत्र महाराजा पुरंदर सिंह नरेंद्र को दे दिया और राज्य का एक भाग असमी राजा के सुपुर्द कर दिया।

अतिरिक्त ज्ञान:

- **ताना भगत आंदोलन, अप्रैल 1914 में शुरू हुआ और 1919 में** समाप्त हुआ था।
- यह **झारखंड राज्य** के **छोटा नागपुर पठार** में **जात्रा भगत** और **तुरिया भगत** द्वारा शुरू किया गया एक **आदिवासी आंदोलन** था।
- इसे **उरांव ताना भगत आंदोलन** के नाम से भी जाना जाता है।
- आन्दोलनकारियों ने अंग्रेजों द्वारा उन पर लगाए गए करों का विरोध किया और उन्होंने सत्याग्रह (सविनय अवज्ञा आंदोलन) का मंचन किया था।
- उन्होंने जमींदारों, बनियों (साहूकारों), मिशनरियों और अंग्रेजों का विरोध किया था।

https://t.me/pdfstudies1

14. सूची I (संस्था) को सूची II (संस्थापक) से सुमेलित कीजिये:

सूची I	सूची II
A. धर्म सभा	1. देवेन्द्र नाथ टैगोर
B. तत्वबोधिनी सभा	2. दादोबा पाण्डुरंग
C. परमहंस मण्डली	3. शिव नारायण अग्निहोत्री
D. देव समाज	4. राजा राधाकांत देव

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-3, B-1, C-2, D-4

14. उत्तर -(b)

- **संस्था - संस्थापक**
- धर्म सभा - राजा राधाकांत देव
- तत्वबोधिनी सभा - देवेन्द्र नाथ टैगोर
- परमहंस मण्डली - दादोबा पाण्डुरंग
- देव समाज - शिव नारायण अग्निहोत्री

अतिरिक्त ज्ञान:

- **संस्था - स्थापना - स्थल - संस्थापक**
- **धर्म सभा -** 1829 ई. - बंगाल (कलकत्ता) - राजा राधाकांत देव
- **तत्वबोधिनी सभा -** 1839 ई - बंगाल - देवेन्द्र नाथ टैगोर
- **परमहंस मण्डली -** 1849 ई. - बम्बई - दादोबा पाण्डुरंग

MakeIAS
WWW.PDFNOTES.CO
search @pcstudies1 on telegram

(b) A-4, B-1, C-2, D-3

(c) A-3, B-2, C-1, D-4

(d) A-4, B-2, C-1, D-3

- **देव समाज -** 1887 ई. - लाहौर - शिव नारायण अग्निहोत्री

15. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

संस्था - स्थान

1. राधा स्वामी आन्दोलन - आगरा
2. भारत सेवक संघ - पुणे
3. सेवा समिति - कानपुर
4. सामाजिक सेवा संघ - लाहौर

उपर्युक्त में से कितने युग्म सुमेलित है?

(a) दो युग्म

(b) तीन युग्म

(c) चार युग्म

(d) एक युग्म

15. उत्तर -(a)

- **संस्था - स्थान**
- राधा स्वामी आन्दोलन - आगरा
- भारत सेवक संघ - पुणे
- सेवा समिति - इलाहाबाद (प्रयागराज)
- सामाजिक सेवा संघ - बम्बई

अतिरिक्त ज्ञान:

- **संस्था - स्थापना - स्थल - संस्थापक**
- **राधा स्वामी आन्दोलन -** 1861 ई. - आगरा - शिवदयाल खत्री (तुलसीराम)
- **भारत सेवक संघ -** 1905 ई. - पुणे - गोपाल कृष्ण गोखले
- **सेवा समिति -** 1914 ई. - इलाहाबाद - हृदयनाथ कुंजरू
- **सामाजिक सेवा संघ (Social Service League) -** 1911 ई. - बम्बई - नारायण मल्हार जोशी

16. निम्नलिखित संस्थाओं को उनके स्थापना वर्ष के अनुसार कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिये?

1. श्री नारायण धर्म परिपालन योगम
2. सेवा सदन
3. शारदा सदन
4. भील सेवा मण्डल

कूट:

(a) 2, 1, 3, 4

(b) 1, 3, 2, 4

(c) 2, 3, 1, 4

(d) 1, 2, 3, 4

16. उत्तर -(c)

- **संस्था - स्थापना वर्ष**
- सेवा सदन - **1885**
- शारदा सदन - **1889**
- श्री नारायण धर्म परिपालन योगम - **1903**
- भील सेवा मण्डल - **1922**

अतिरिक्त ज्ञान:

- **संस्था - स्थापना वर्ष - स्थल - संस्थापक**
- **सेवा सदन -** 1885 - बम्बई - रमाबाई रानाडे
- **शारदा सदन -** 1889 ई. - बम्बई (बाद में पूना) - पण्डिता रमाबाई
- **श्री नारायण धर्म परिपालन योगम -** 1903 ई. - केरल - श्री नारायण गुरू
- **भील सेवा मण्डल -** 1922 ई. - बम्बई - अमृतालाल विट्ठल दास (ठक्कर बापा)

17. ब्रिटिश कालीन निम्नलिखित में सामाजिक सुधार अधिनियमों को कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिये?

1. शारदा अधिनियम
2. हिन्दू महिला सम्पत्ति अधिनियम
3. सिविल मैरिज एक्ट
4. एज ऑफ़ कंसेंट एक्ट

कूट:

17. उत्तर -(d)

ब्रिटिश कालीन सामाजिक सुधार अधिनियम

- सिविल मैरिज एक्ट - **1872**
- एज ऑफ़ कंसेंट एक्ट - **1891**
- शारदा अधिनियम - **1930**
- हिन्दू महिला सम्पत्ति अधिनियम - **1937**

MakeIAS
https://t.me/pcsstudies1
www.PDFNOTES.co
search @pcsstudies1 on telegram

(a) 2 - 1 - 4 - 3

(b) 3 - 1 - 4 - 2

(c) 2 - 4 - 1 - 3

(d) 3 - 4 - 1 - 2

अतिरिक्त ज्ञान:

ब्रिटिश कालीन सामाजिक सुधार अधिनियम

- **अधिनियम - वर्ष - गवर्नर जनरल/वायसराय**
- **शिशु-वध प्रतिबंध -** 1795-1804 - सर जॉन शोर, लार्ड वेलेजली
- **सती-प्रथा प्रतिबंध -** 1829 - लॉर्ड विलियम बैंटिक
- **दास-प्रथा पर प्रतिबंध -**1843 - लॉर्ड एलनबरो
- **हिन्दू विधवा पुनर्विवाह -** 1856 - लॉर्ड कैनिंग
- **सिविल मैरिज एक्ट** - 1872 - नार्थब्रुक
- **एज ऑफ़ कंसेंट एक्ट** - 1891 - लैंसडाउन
- **शारदा अधिनियम** - 1930 - लॉर्ड इरविन
- **हिन्दू महिला सम्पत्ति अधिनियम** - 1937 - लॉर्ड लिनलिथगो

18. 'ब्रह्मसमाज' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसकी स्थापना 'आचार्य केशवचन्द्र सेन' द्वारा की गई थी।
2. यह आधुनिक भारत में हिन्दू धर्म से सम्बन्धित प्रथम धर्म-सुधार आन्दोलन था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 2

(b) 1 और 2 दोनों

(c) न तो 1, न ही 2

(d) केवल 1

17. उत्तर -(a)

ब्रह्मसमाज (1828)

- यह हिन्दू धर्म से सम्बन्धित प्रथम धर्म-सुधार आन्दोलन था।
- इसके संस्थापक **राजा राममोहन राय** थे, जिन्होंन **20 अगस्त, 1828 ई.** में इसकी स्थापना **कलकत्ता (वर्तमान कोलकाता)** में की थी।
- इसका मुख्य उद्देश्य तत्कालीन हिन्दू समाज में व्याप्त बुराईयों, जैसे- सती प्रथा, बहुविवाह, वेश्यागमन, जातिवाद, अस्पृश्यता आदि को ख़त्म करना।
- **राजा राममोहन राय** को **'भारतीय पुनर्जागरण का पिता'** कहा जाता है।

https://t.me/pcstudies1

अतिरिक्त ज्ञान:

भारतीय ब्रह्म समाज (1866)

- इसकी स्थापना ब्रह्मसमाज के विभाजन के उपरान्त **'आचार्य केशवचन्द्र सेन'** द्वारा की गई थी।
- इसकी स्थापना **कलकत्ता (वर्तमान कोलकाता)** में हुई थी।
- **ब्रह्मसमाज** का **1865 ई.** में विखण्डन हो चुका था। केशवचन्द्र सेन को देवेन्द्रनाथ टैगोर ने आचार्य के पद से हटा दिया। फलस्वरूप केशवचन्द्र सेन ने **'भारतीय ब्रह्म समाज'** की स्थापना की, और इस प्रकार पूर्व का ब्रह्मसमाज **'आदि ब्रह्मसमाज'** के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

19. निम्नलिखित में से कौन 'प्रार्थना समाज' से सम्बंधित था/थे?

1. राजा राममोहन रॉय
2. महादेव गोविन्द रानाडे

19. उत्तर -(b)

प्रार्थना समाज (1867)

- **प्रार्थना समाज** की स्थापना **वर्ष 1867 ई.** में बम्बई (महाराष्ट्र) में **आचार्य केशवचन्द्र सेन** की प्रेरणा से **महादेव गोविन्द रानाडे,**

search @pcstudies1 on telegram

3. डॉ. आत्माराम पांडुरंग
4. जी.आर. भण्डारकर

कूट:

(a) केवल 1, 2 और 3

(b) केवल 2, 3 और 4

(c) 1, 2, 3 और 4

(d) केवल 3 और 4

डॉ. आत्माराम पांडुरंग, चन्द्रावरकर आदि के द्वारा की गई थी। **जी.आर. भण्डारकर प्रार्थना समाज के अग्रणी नेता** थे।

- प्रार्थना समाज का मुख्य उद्देश्य जाति प्रथा का विरोध, स्त्री-पुरुष विवाह की आयु में वृद्धि, विधवा-विवाह, स्त्री शिक्षा आदि को प्रोत्साहन करना था।

राजा राममोहन रॉय (22 मई 1772 - 27 सितंबर 1833) को **भारतीय पुनर्जागरण का अग्रदूत** और **आधुनिक भारत का जनक** कहा जाता है। ये **वर्ष 1867 में स्थापित 'प्रार्थना समाज' से नहीं है।**

अतिरिक्त ज्ञान:

महादेव गोविन्द रानाडे

- इनका जन्म **वर्ष 1842** में नासिक में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था।
- महादेव रानाडे को **'पश्चिम भारत का सुकरात'** भी कहा जाता है।
- सरकार द्वारा इन्हें **'दक्कन कृषि राहत अधिनियम'** के क्रियान्वयन का निरीक्षण करने के लिए नियुक्त किया गया था।
- उन्होंने **'सार्वजनिक सभा'** नामक समाचार पत्र में प्रकाशित किया।
- रानाडे ने **'शारदा सदन'** की स्थापना में महत्वपूर्ण योगदान दिया।
- भारत में पाश्चात्य शिक्षा को प्रोत्साहित करने हेतु **'दक्कन शिक्षा समाज'** की स्थापना की तथा सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध संघर्ष के लिए भारतीय राष्ट्रीय सामाजिक सम्मेलन की शुरुआत की।

https://t.me/pcsstudies1

20. सूची I (संस्था) को सूची II (संस्थापक) से सुमेलित कीजिये:

सूची I	सूची II
A. दार-उल-उमूल (देवबंद)	1. अब्दुल लतीफ़
B. मोहम्मडन एंग्लो-ओरिएंटल कॉलेज	2. सैयद अहमद खां
C. मोहम्मडन लिटरेरी सोसाइटी	3. मुहम्मद कासिम ननौतवी
D. होमरूल लीग	4. एनी बेसेंट

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-3, B-1, C-2, D-4

(b) A-4, B-1, C-2, D-3

20. उत्तर -(c)

- **संस्था - संस्थापक**
- **दार-उल-उमूल (देवबंद) -** मुहम्मद कासिम ननौतवी - 1867
- **मोहम्मडन एंग्लो-ओरिएंटल कॉलेज -** सैयद अहमद खां - 1875
- **मोहम्मडन लिटरेरी सोसाइटी -** अब्दुल लतीफ़ - 1863
- **होमरूल लीग -** बी.जी. तिलक/एनी बेसेंट - 1916

अतिरिक्त ज्ञान:

- भारत में **पारसी** लोगों में धार्मिक सुधार की शुरुआत **बंबई** में 19वीं सदी के आरंभ में हुई थी।
- वर्ष 1851 में **रहमानी मज़्दायासन सभा (रिलीजस रिफॉर्म एसोसिएशन)** का आरंभ **नौरोजी फरदूनजी, दादाभाई नौरोजी, एस.एस. बंगाली** तथा अन्य लोगों ने किया।
- इन सभी ने धर्म के क्षेत्र में हावी रूढ़िवाद के खिलाफ आंदोलन चलाया और स्त्रियों की शिक्षा तथा विवाह और कुल मिलाकर स्त्रियों की सामाजिक स्थिति के बारे में पारसी

search @pcsstudies1 on telegram

(c) A-3, B-2, C-1, D-4 (d) A-4, B-2, C-1, D-3	सामाजिक रीति-रिवाजों के आधुनिकीकरण का आरंभ किया।
21. 'राजा राममोहन राय' द्वारा स्थापित निम्नलिखित संस्थाओं को कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिये? 1. आत्मीय सभा का गठन 2. वेदान्त सोसायटी की स्थापना 3. कलकत्ता यूनीटेरियन कमेटी की स्थापना 4. वेदान्त कॉलेज की स्थापना **कूट:** (a) 1, 2, 3, 4 (b) 1, 3, 2, 4 (c) 2, 3, 1, 4 (d) 2, 1, 3, 4	21. उत्तर -(a) **राजा राममोहन राय द्वारा स्थापित संस्थाएँ** • **1814-15 ई.** में **आत्मीय सभा का गठन** किया। • **1816 ई.** में **वेदान्त सोसायटी की स्थापना** की। • **1817 ई.** में डेविड हेयर के सहयोग से **कलकत्ता में हिन्दू कॉलेज की स्थापना** की। • **1821 ई.** में **कलकत्ता यूनीटेरियन कमेटी की स्थापना** की। • **1825 ई.** में **वेदान्त कॉलेज की स्थापना** की। • **20 अगस्त, 1828 ई.** में **ब्रह्म सभा (ब्रह्म समाज)** की स्थापना की। **अतिरिक्त ज्ञान:** **तुहफात-उल-मुहदीन (एकेश्वरवादियों को उपहार)** • यह ग्रंथ **राजा राम मोहन राय** द्वारा **फारसी भाषा** में लिखा गया था। • यह वर्ष **1809 ई.** में प्रकाशित हुआ। • इसमें **मूर्तिपूजा का विरोध** किया एवं **एकेश्वरवाद को सब धर्मों का मूल** बताया गया।
22. 'दयानंद सरस्वती' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: 1. भारतीय चिंतकों में 'स्वराज' शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम इन्होने ही किया था। 2. इन्होने 'सत्यार्थ प्रकाश' ग्रंथ में अपने विचारों का प्रतिपादन किया था। **उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?** (a) केवल 2 (b) 1 और 2 दोनों (c) न तो 1, न ही 2 (d) केवल 1	22. उत्तर -(b) https://t.me/pcsstudies1 **दयानंद सरस्वती** • दयानंद सरस्वती का मूल नाम '**मूल शंकर**' था। इनका जन्म **वर्ष 1824** में गुजरात के **मौरवी** में हुआ था। • इन्होंने मथुरा के **स्वामी विरजानंद** से वैदिक धर्म एवं दर्शन का शुद्ध रूप से ज्ञान प्राप्त किया। • दयानंद सरस्वती ने **'सत्यार्थ प्रकाश'** (1874, संस्कृत) ग्रंथ में अपने विचार का प्रतिपादन किया था। • **वेलेंटाइन चिरौल** ने अपनी पुस्तक **इंडियन अनरेस्ट** में '**आर्य समाज**' को '**भारतीय अशांति का जन्मदाता**' कहा है। • भारतीय चिंतकों में **स्वराज शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम** दयानंद सरस्वती ने ही किया था।

MakeIAS WWW.PDFNOTES.co

search @pcsstudies1 on telegram

अतिरिक्त ज्ञान:

- **स्वामी विवेकानन्द** को **नव हिन्दू जागरण का संस्थापक** माना जाता है।
- **सुभाष चन्द्र बोस** ने विवेकानन्द को **'आधुनिक राष्ट्रीय आन्दोलन का आध्यात्मिक पिता'** कहा था।
- **वेलेंटाइन शिराॅल** ने **'विवेकानन्द के उद्देश्यों को राष्ट्रीय आन्दोलन का कारण माना था।'**
- **आयरिश महिला माग्रेट नोबल (सिस्टर निवेदिता)** ने विवेकानन्द के उपदेशों का प्रचार प्रसार किया था।

23. 'एनी बेसेंट' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. उन्होंने वर्ष 1898 में बनारस में 'सेंट्रल हिंदू कॉलेज' की स्थापना की थी।
2. इन्होंने 'न्यू इंडिया' और 'कॉमनवील' नामक समाचार पत्रों का प्रकाशन किया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) न तो 1, न ही 2

(c) केवल 2

(d) 1 और 2 दोनों

23. उत्तर -(d)

एनी बेसेंट

- इनका जन्म वर्ष 1847 में **आयरलैंड** में हुआ। 1893 ई. में भी भारत आ गई थी।
- उन्होंने **वर्ष 1898** में बनारस में **'सेंट्रल हिंदू कॉलेज'** की स्थापना की जो आगे चलकर **'बनारस हिंदू विश्वविद्यालय'** कहलाया।
- एनी बेसेंट ने भारतीयों के सुशासन की मांग को लेकर तिलक के साथ वर्ष 1916 में **'होमरूल आंदोलन'** शुरू किया।
- इन्होंने **'न्यू इंडिया'** और **'कॉमनवील'** आदि समाचार पत्रों का प्रकाशन किया।

https://t.me/pcsstudies1

- वर्ष 1933 में इनका देहांत हो गया।

अतिरिक्त ज्ञान:

- **वर्ष 1917 में** कांग्रेस के कोलकाता अधिवेशन में **'एनी बेसेंट'** को **प्रथम महिला कांग्रेस अध्यक्ष** बनने का सम्मान प्राप्त हुआ। उन्होंने 1930 में **प्रथम गोलमेज सम्मेलन में भाग** लिया।

24. 'स्वामी विवेकानंद' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इनके बचपन का नाम 'नरेंद्र नाथ दत्त' था।
2. इन्होने 'अखिल भारतीय हिंदू महासभा' की स्थापना की थी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) न तो 1, न ही 2

(b) केवल 2

(c) केवल 1

(d) 1 और 2 दोनों

24. उत्तर -(c)

- **'रामकृष्ण मिशन'** के संस्थापक **स्वामी विवेकानंद** का जन्म **12 जनवरी 1863** को कोलकाता में हुआ था। इनके बचपन का नाम **'नरेंद्र नाथ दत्त'** था।
- इन्हें स्वामी विवेकानंद नाम **खेतड़ी के महाराजा अजीतसिंह** ने दिया था।
- स्वामी विवेकानंद ने वर्ष **1893** में अमेरिका के **शिकागो** शहर के **'विश्व धर्म सम्मेलन'** में भाग लिया, जहां उन्होंने हिंदू धर्म पर भाषण देकर भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति को गौरवान्वित किया। इसके पश्चात विवेकानंद ने अमेरिका में **वेदांत सभा** की स्थापना भी की थी।
- अमेरिका से भारत लौटने के बाद उन्होंने **'रामकृष्ण मिशन'** की स्थापना की थी।

अतिरिक्त ज्ञान:

www.pdfnotes.co

search @pcsstudies1 on telegram

- **'अखिल भारतीय हिंदू महासभा'** की स्थापना **1909** में मुस्लिम लीग की चुनौतियों का सामना करने के लिए की गई थी। आरंभ में इसका नाम **'पंजाब हिंदू सम्मेलन'** था।
- **वर्ष 1915 में** इसका नाम बदलकर **हिंदू महासभा** रखा गया तथा **वर्ष 1921 में 'भारतीय हिंदू महासभा'** हो गया। **'पंडित मदन मोहन'** मालवीय को इसका संस्थापक माना जाता है।

25. 'थिओसोफिकल सोसाइटी' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसके संस्थापक 'मैडम हेलना पेट्रोवना व्लावात्सकी' एवं 'कर्नल हेनरी स्टील ऑल्काट' थे।
2. भारत में इसकी व्यापक गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाने का श्रेय 'एनी बेसेंट' को दिया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 2

(b) 1 और 2 दोनों

(c) न तो 1, न ही 2

(d) केवल 1

25. उत्तर -(b)

थिओसोफिकल सोसाइटी (1875)

- **'थियोसोफ़िकल सोसाइटी'** की स्थापना **वर्ष 1875** ई. में न्यूयॉर्क (संयुक्त राज्य अमरीका) में तथा इसके बाद **1886 ई.** में **अडयार (चेन्नई, भारत)** में की गई थी।
- इसके संस्थापक **'मैडम हेलना पेट्रोवना व्लावात्सकी'** एवं **'कर्नल हेनरी स्टील ऑल्काट'** थे।
- थियोसोफ़िकल सोसाइटी का मुख्य उद्देश्य धर्म को आधार बनाकर समाज सेवा करना, धार्मिक एवं भाईचारे की भावना को फैलाना, प्राचीन धर्म, दर्शन एवं विज्ञान के अध्ययन में सहयोग करना आदि था।
- भारत में इसकी व्यापक गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाने का श्रेय **'एनी बेसेंट'** को दिया जाता है।

https://t.me/pcsstudies1

अतिरिक्त ज्ञान:

भारत में आधुनिक युग के धार्मिक सुधार आंदोलनों की विशेषताएँ

- आधुनिक युग के धार्मिक सुधार आंदोलनों की मुख्य बात यह थी कि ये आंदोलन बुद्धिवाद तथा मानवतावाद के सिद्धांतों पर आधारित थे, हालाँकि लोगों को अपनी ओर खींचने के लिये कभी-कभी आस्था तथा प्राचीन ग्रंथों का सहारा भी लेते थे।
- इन धार्मिक आंदोलनों ने उभरते हुए मध्यवर्ग तथा आधुनिक शिक्षा प्राप्त प्रबुद्ध लोगों को सबसे अधिक प्रभावित किया।
- इन आंदोलनों ने भारतीय धर्मों के कर्मकांडी, अंधविश्वासी, बुद्धिविरोधी तथा पुराणपंथी पक्षों का विरोध किया।

26. बंगाल के 'नील आंदोलन' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इस आन्दोलन की शुरुआत 'दिगम्बर' एवं 'विष्णु विश्वास' ने की थी।
2. इस विद्रोह का वर्णन 'दीनबन्धु मित्र' ने अपनी पुस्तक 'नील दर्पण' में किया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

26. उत्तर -(d)

- **बंगाल का नील आंदोलन (1859-1862)** उन अंग्रेज **बगान मालिकों (निलहों)** के प्रति विरोध प्रकट करने के लिए हुआ था जो अपनी जागीरों में सामंतों जैसा आचरण करते थे और किसानों को नील की अलाभकर खेती करने के लिए बाध्य करते थे।
- **19वीं सदी** के आरंभ से ही कुछ अवकाशप्राप्त यूरोपीय अधिकारी तथा कुछ नये धनिकों ने बंगाल तथा बिहार में जमींदारों से भूमि प्राप्त कर लिया था और यूरोपीय बाजारों की माँग की पूर्ति के लिए बड़े पैमाने पर नील की खेती कराने लगे

MakeIAS
www.PDFNOTES.co
search @pcsstudies1 on telegram

(b) न तो 1, न ही 2

(c) केवल 2

(d) 1 और 2 दोनों

थे। **'निलहे'** निरक्षर किसानों को एक मामूली-सी रकम अग्रिम देकर उनसे करारनामा लिखवा लेते थे जो बाजार-भाव से बहुत कम होता था। इसे **'ददनी प्रथा'** कहा जाता था।

- 1860 ई. के नील विद्रोह का वर्णन **'दीनबन्धु मित्र'** ने अपनी पुस्तक **'नील दर्पण'** में किया है।
- इस आन्दोलन की शुरुआत **'दिगम्बर'** एवं **'विष्णु विश्वास'** ने की थी।

अतिरिक्त ज्ञान:

- **बंगाल के 'नील आंदोलन'** का महत्त्वपूर्ण तत्त्व था बंगाल के बुद्धिजीवियों और कुछ यूरोपीय मिशनरियों का सक्रिय हस्तक्षेप, जिन्होंने संघर्षरत किसानों के पक्ष में सशक्त अभियान चलाये। **'दीनबंधु मित्र'** ने **सितंबर 1860** में अपने बंगला नाटक **'नील दर्पण'** में निलहों के अत्याचारों का मार्मिक वर्णन प्रकाशित कराया। सुप्रसिद्ध बंगला कवि **माइकेल मधुसूदन दत्त** ने इस नाटक का **अंग्रेजी में अनुवाद** किया, जिसे मिशनरी सोसायटी के **रेवरेंड जेम्स लौंग** ने प्रकाशित किया। इस कारण लौंग पर कलकत्ता के सुप्रीम कोर्ट में मानहानि का मुकदमा चला और एक माह की कैद के साथ 1,000 रुपये का जुर्माना हुआ।
- भारतीय प्रेस और खासकर **'हिंदू पैट्रियट'** और **'सोमप्रकाश'** ने भी **नील के किसानों की माँगों** को उठाया था।

https://t.me/pcsstudies1

27. 'फ़राज़ी आंदोलन' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह 19वीं शताब्दी का इस्लामी पुनरुत्थानवादी आंदोलन था।
2. इसकी शुरुवात वर्ष 1818 में 'दादू मियाँ' के द्वारा की गई थी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) न तो 1, न ही 2

(c) केवल 2

(d) 1 और 2 दोनों

27. उत्तर -(a)

- **'फ़राज़ी आंदोलन' 19वीं शताब्दी का इस्लामी पुनरुत्थानवादी आंदोलन** था।
- इसकी शुरुवात वर्ष 1818 में **शरियतुल्लाह** के द्वारा की गई थी।
- **हाजी शरियातुल्ला** की मृत्यु के बाद, उनके पुत्र अहमद **'दादू मियाँ'** आंदोलन के नेता बने। **1938 में,** उनके नेतृत्व में, अनुयायियों ने **नील बागान मालिकों के हुक्म की अवज्ञा की और करों का भुगतान करने से इनकार** कर दिया था।

अतिरिक्त ज्ञान:

- **संन्यासी विद्रोह** ने वर्ष 1763 और 1800 के बीच **उत्तरी बंगाल** को और **बिहार के साथ लगे क्षेत्रों** को हिलाकर रख दिया था। हथियारबंद घुमक्कड़ संन्यासियों के समूह **कंपनी की मालगुजारी की भारी माँगों, माफी की जमीनों की जब्ती** और **व्यापार पर एकाधिकार से असंतुष्ट** थे।
- **'संन्यासी विद्रोह' के समानांतर** भूमिकर में वृद्धि के कारण **बंगाल** के मिदनापुर के **चुआर किसानों** ने **वर्ष 1766-72 में विद्रोह** किया था।
- तमिलनाडु (मालाबार) में वर्ष 1790 में **पोलिगारों के प्रतिरोध**, बंगाल के उत्तरी जिलों में वर्ष 1783 के **'रंगपुर**

search @pcsstudies1 on telegram

	विद्रोह' किसानों के प्रतिरोध के आदर्श उदाहरण हैं।
28. निम्नलिखित में से कौन-सा क्षेत्र वर्ष 1921 के 'एका आंदोलन' से प्रभावित था? (a) पंजाब (b) संयुक्त प्रान्त (c) मद्रास (d) बंगाल	**28. उत्तर -(b)** **एका (एकता) आंदोलन (1921)** • उत्तर प्रदेश के **बाराबंकी, हरदोई, बहराइच** एवं **सीतापुर जिलों** में **वर्ष 1921 के** अंत में **बेगारी, लगान में वृद्धि एवं राजस्व वसूली के कार्य में जमींदारों द्वारा अपनाई गई दमनकारी नीतियों के विरोध** में **'एका आंदोलन'** चलाया गया। • **'एका आंदोलन'** का मुख्य **नेतृत्व मदारी पासी, सहदेव एवं अन्य निचले तबके के किसानों और कई छोटे जमींदारों** ने किया था। **अतिरिक्त ज्ञान:** • **विद्रोह - क्षेत्र** • पागलपंथी विद्रोह - बंगाल • कूका विद्रोह - पंजाब • मोपला विद्रोह - केरल • रम्पा विद्रोह - आंध्र प्रदेश
29. निम्नलिखित में से किसे बिहार में किसान सभा आंदोलन शुरू करने का श्रेय दिया जाता है? (a) सहजानंद सरस्वती (b) इंद्र नारायण द्विवेदी (c) गौरी शंकर मिश्रा (d) मदन मोहन मालवीय	**29. उत्तर -(a)** • **सहजानंद सरस्वती,** जिन्होंने **वर्ष 1929 में** जमींदारी हमलों के खिलाफ किसानों की शिकायतों को संगठित करने और भारत के किसान आंदोलनों को शुरू करने के लिए **'बिहार प्रांतीय किसान सभा'** की स्थापना की, को **बिहार में किसान सभा आंदोलन शुरू करने का श्रेय** दिया जाता है। **अतिरिक्त ज्ञान:** • **'इंद्र नारायण द्विवेदी'** और **'गौरी शंकर मिश्रा'** ने **फरवरी 1918** में **'संयुक्त प्रांत किसान संघ'** की स्थापना की। उन्हें अपने प्रयासों में **'मदन मोहन मालवीय'** का समर्थन प्राप्त था।
30. ब्रिटिश भारत की 'रैय्यतवाड़ी व्यवस्था' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: 1. इसके सूत्रधार थामस मुनरो और कैप्टन रीड थे। 2. इस व्यवस्था के अंतर्गत रैय्यतों को भूमि का मालिकाना हक़ दिया गया था। **उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?** (a) केवल 1 (b) न तो 1, न ही 2 (c) केवल 2 (d) 1 और 2 दोनों	**30. उत्तर -(d)** **रैय्यतवाड़ी व्यवस्था** • भू-राजस्व प्रबंधन के विषय में ब्रिटिश भारत में लागू की गयी स्थायी बंदोबस्त के बाद यह दूसरी व्यवस्था थी, जिसके सूत्रधार **थामस मुनरो** और **कैप्टन रीड** थे। • **1792 ई. में कैप्टन रीड** ने रैय्यतवाड़ी व्यवस्था को सर्वप्रथम तमिलनाडु के बारामहल जिले में लागू किया। • यह व्यवस्था ब्रिटिश भारत के **51 % भाग** (मद्रास बंबई के कुछ हिस्से, पूर्वी बंगाल, असम, कुर्ग) पर लागू की गई। • इस व्यवस्था के अंतर्गत रैय्यतों को भूमि का मालिकाना हक़ दिया गया, जिसके द्वारा ये प्रत्यक्ष रूप से सीधे या व्यक्तिगत रूप से भू-राजस्व अदा करने के लिए उत्तरदायी थे। • इस पद्धति में किसान को **33 % से 55 % के बीच लगान**

https://t.me/pcstudies1

www.pdfnotes.co

search @pcstudies1 on telegram

	कंपनी को अदा करना होता था। **अतिरिक्त ज्ञान:** • किसान संघर्ष एवं राष्ट्रीय स्वतंत्रता संघर्ष के अंतःसंबंधों की व्याख्या करते हुए **'महात्मा गांधी'** ने कहा कि **"बारदोली संघर्ष चाहे जो कुछ भी हो, यह स्वराज्य की प्राप्ति के लिए संघर्ष नहीं है, लेकिन इस तरह का हर संघर्ष, हर कोशिश हमें स्वराज्य के करीब पहुँचा रही है और हमें स्वराज्य की मंजिल तक पहुँचाने में शायद ये संघर्ष सीधे स्वराज्य के संघर्ष से कहीं ज्यादा सहायक सिद्ध हो सकते हैं।"**
31. 'अखिल भारतीय किसान सभा' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: 1. इसका गठन वर्ष 1936 में सभी प्रांतीय किसान सभाओं को मिला कर किया गया था। 2. इसका प्रथम सम्मेलन में 'पटना' में आयोजित किया गया था। 3. इसके प्रथम महासचिव स्वामी सहजानन्द सरस्वती को चुना गया था। **उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?** (a) दो (b) तीन (c) एक (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं	31. उत्तर -(c) **अखिल भारतीय किसान सभा** • इसका गठन **वर्ष 1936** में सभी प्रांतीय किसान सभाओं को मिला कर किया गया था। • पहला अखिल भारतीय किसान सम्मेलन **11 अप्रैल, 1936 ई.** में **लखनऊ** में आयोजित हुआ। इसके अध्यक्ष स्वामी **सहजानन्द सरस्वती** एवं **महासचिव एन. जी. रंगा** को चुना गया। **अतिरिक्त ज्ञान:** • **'बारदोली किसान आंदोलन'** में महिलाओं ने भी सक्रिय भूमिका निभाई, जिसमें बंबई की पारसी महिला **मीठूबेन पेटिट, भक्तिवा,** वल्लभभाई पटेल की पुत्री **मनीबेन पटेल, शारदाबेन शाह** और **शारदा मेहता** के नाम उल्लेखनीय हैं। • इस सत्याग्रह की सफलता पर बारदोली की महिलाओं ने वल्लभभाई पटेल को **'सरदार' की उपाधि** प्रदान की थी।
32. निम्नलिखित में से किस आन्दोलन में आंदोलनकारियों का नारा था कि 'हम महारानी सिर्फ महारानी की रैय्यत होना चाहते हैं।'? (a) रम्पा विद्रोह (b) पाबना आंदोलन (c) कुकी आन्दोलन (d) रामोसी विद्रोह	32. उत्तर -(b) **पाबना आंदोलन** • **पाबना आंदोलन** के प्रमुख नेता **ईशान चंद्र राय** तथा **शंभुपाल** थे। • **पाबना क्षेत्र** जो पटसन की कृषि हेतु प्रसिद्ध है, के 50 प्रतिशत से अधिक किसानों को 1850 के (अधिनियम दस) के द्वारा जमीन पर कब्जे का अधिकार तथा कुछ सीमा तक लगान में वृद्धि के लिए संरक्षण प्राप्त था। • यहाँ के किसानों को अधिनियम - 10 द्वारा मिली सुविधाओं के बावजूद भी जमींदारों को शोषण का शिकार होना पड़ता था। • अतः आंदोलनकारियों का नारा था कि **'हम महारानी सिर्फ महारानी की रैय्यत होना चाहते हैं।'** **अतिरिक्त ज्ञान:** **विद्रोह - क्षेत्र** • खासी विद्रोह - मेघालय • रम्पा विद्रोह - आंध्र प्रदेश • रामोसी विद्रोह - पश्चिमी घाट

https://t.me/pcsstudies1

search @pcsstudies1 on telegram

- कुकी आन्दोलन - मणिपुर

33. निम्नलिखित में से कौन 'चंपारण कृषीय जांच समिति' का/के सदस्य था/थे?

1. राजकुमार शुक्ल
2. महात्मा गांधी
3. डी.जे.रीड
4. राजा हरिहर प्रसाद

कूट:

(a) केवल 2 और 3

(b) केवल 1, 2 और 3

(c) केवल 2, 3 और 4

(d) केवल 3 और 4

33. उत्तर -(c)

- **'चंपारण कृषीय जांच समिति'** के अध्यक्ष **एफ.जी.स्लाई** थे।
- इसके सदस्य थे **- डी.जे.रीड, महात्मा गांधी, एल.सी. अदामी, राजा हरिहर प्रसाद नारायण सिंह और जी. रैनी।** जबकि **एम.ई.एल. टैन्नर** सचिव थे।
- बाद में राजा हरिहर प्रसाद के खराब स्वास्थ्य के कारण उनके स्थान पर **महाराजा कृत्यानंद सिंह** को सदस्य बनाया गया था।

अतिरिक्त ज्ञान:

- **वर्ष 1916 में,** कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन के दौरान, गांधीजी ने चंपारण के किसानों के प्रतिनिधि **'राजकुमार शुक्ल'** से भेंट की, जिन्होंने उनसे चंपारण आने और वहां नील रैयतों के कष्टों को स्वयं देखने का अनुरोध किया था।
- गांधीजी चंपारण जाने के लिए सहमत हो गए थे।
- अप्रैल, 1917 में, गांधीजी चंपारण पहुंचे और **राजेंद्र प्रसाद, अनुग्रह नारायण सिन्हा, आचार्य कृपलानी** और **ब्रजकिशोर प्रसाद** जैसे प्रख्यात स्थानीय नेताओं का एक दल बनाया। उनकी यात्रा का एकमात्र उद्देश्य **नील रैयतों की खराब स्थिति का अध्ययन करना** था।

34. निम्नलिखित को कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिये?

1. खेड़ा किसान आंदोलन
2. बारदोली सत्याग्रह
3. चंपारण आंदोलन
4. मोपला विद्रोह

कूट:

(a) 2 - 1 - 4 - 3

(b) 3 - 1 - 4 - 2

(c) 2 - 4 - 1 - 3

(d) 3 - 4 - 1 - 2

34. उत्तर -(b)

https://t.me/pcsstudies1

- **प्रमुख किसान आन्दोलन - वर्ष**
- चंपारण आंदोलन - 1917
- खेड़ा किसान आंदोलन - 1918
- मोपला विद्रोह - 1921
- बारदोली सत्याग्रह - 192

अतिरिक्त ज्ञान:

खेड़ा सत्याग्रह

- यह आंदोलन **वर्ष 1918 में खेड़ा (गुजरात)** में आरम्भ हुआ जब सरकार फसल बर्बाद होने के उपरान्त भी कर वसूल रही थी।
- इस आंदोलन का नेतृत्व **गाँधी जी** तथा **सरदार वल्लभ भाई पटेल** ने किया था।
- इस आंदोलन को शांत करने के लिए गाँधी जी ने कहा की लगान देने में अक्षम किसानो से वसूली नहीं की जाए जबकि लगान देने में सक्षम किसान स्वेच्छा से पूरा लगान देंगे।

35. निम्नलिखित को कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिए:

1. 'उत्तर प्रदेश किसान सभा' का गठन
2. प्रतापगढ़ जिले का 'नाई-धोबी बंद आन्दोलन'
3. प्रतापगढ़ जिले में 'अवध किसान सभा' का गठन

35. उत्तर -(a)

- 'उत्तर प्रदेश किसान सभा' का गठन **- फरवरी 1918**
- प्रतापगढ़ जिले का 'नाई-धोबी बंद आन्दोलन' **- 1919-20**
- प्रतापगढ़ जिले में 'अवध किसान सभा' का गठन - **17 अक्टूबर**

MakeIAS
WWW.PDFNOTES.co
search @pcsstudies1 on telegram

4. हरदोई, बहराइच, सीतापुर जिले में 'एका आन्दोलन'

कूट:

(a) 1, 2, 3, 4

(b) 1, 3, 2, 4

(c) 2, 3, 1, 4

(d) 2, 1, 3, 4

1920

- हरदोई, बहराइच, सीतापुर जिले में 'एका आन्दोलन' - **1921-22**

अतिरिक्त ज्ञान:

- **'विनोबा भावे'** द्वारा **भूदान आंदोलन** का प्रारंभ **18 अप्रैल 1951** को तत्कालीन **आंध्र प्रदेश** के **तेलंगाना क्षेत्र में 'पोचमपल्ली गांव'** में किया गया था।

36. 'सतनामी आंदोलन' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इस आंदोलन के जन्मदाता 18वीं सदी के 'गुरु घासीदास' थे।
2. 'सतनामी संप्रदाय' ने संभवतः कबीरपंथी मत से एक संप्रदाय का आदर्श रूप ग्रहण किया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) न तो 1, न ही 2

(c) केवल 2

(d) 1 और 2 दोनों

36. उत्तर -(d)

सतनामी आंदोलन

- जातिगत संगठन की दिशा में **छत्तीसगढ़** का **सतनामी आंदोलन** एक अनूठा प्रयास था। इस आंदोलन के जन्मदाता अठारहवीं सदी के **गुरु घासीदास (1756-1800)** बताये जाते हैं, जो चमार जाति के थे।
- लगभग डेढ़ सौ साल से भी अधिक समय तक चलनेवाला यह **आंदोलन** चमार जाति की सामूहिक प्रगति एवं कुरीतियों पर विजय करने वाला आंदोलन था।
- **'सतनामी संप्रदाय'** ने संभवतः **कबीरपंथी मत से एक संप्रदाय का आदर्श रूप ग्रहण किया** था।
- **गुरु घासीदास** ने कई वर्णों में बाँटनेवाली जाति-व्यवस्था का विरोध किया और अपने अनुयायियों को शराब, तंबाकू, माँस, और लाल रंग की सब्जियों का प्रयोग निषिद्ध कर दिया।
- उन्होंने संदेश दिया कि **"मानव की एक ही जाति, मानव जाति है और मानव का एक ही धर्म, सत्धर्म है।"** आज भी उनके उपदेश और धार्मिक अनुष्ठान चमार जाति की कुछ सीधी-साधी धार्मिक परंपराओं में प्रचलित हैं।

अतिरिक्त ज्ञान:

- **महाराष्ट्र** के महार जाति के लोग, जो कालांतर में **डॉ. भीमराव आंबेडकर के आंदोलन का आधार** बने, **गोपालबाबा वलंगकर** और **शिवराम जानबा कामले** जैसे सुधारकों के नेतृत्व में संगठित होने लगे थे। इनका मानना था कि महारों की स्थिति सुधारने के लिए उन्हें पुलिस और सेना में भर्ती किया जाना चाहिए।
- **गोपालबाबा वलंगकर** ने **वर्ष 1894 में** एक याचिका के माध्यम से महाराष्ट्र के महारों को 'क्षत्रिय' घोषित करने और सेना में भर्ती करने की माँग की थी।
- **शिवराम जानबा कामले** ने महारों को जागरूक और संगठित करने के लिए वर्ष 1904 में **'सोमवंशीय हित-चिंतक मित्र समाज'** नामक संस्था की स्थापना की थी। उन्होंने अपनी मासिक पत्रिका **'सोमवंशीय मित्र' (1908-1910)** में एक देवदासी शिबूबाई लक्ष्मण जाधव का पत्र प्रकाशित कर देवदासियों के अंधकार भरे जीवन और धर्म के नाम पर

1 ©MakeIAS www.makeias.in 9899282107, 8700476287

उनके होनेवाले भयंकर यौन-शोषण से लोगों को परिचित कराया था।

37. निम्नलिखित संस्थाओं को उनके स्थापना वर्ष के अनुसार कालानुक्रम में कीजिए:

1. बहिष्कृत हितकारिणी सभा
2. इण्डिपेण्डेंट लेबर पार्टी
3. अखिल भारतीय दलित वर्ग संस्था
4. अखिल भारतीय अनुसूचित जाति संघ

कूट:

(a) 1, 3, 2, 4

(b) 2, 3, 1, 4

(c) 1, 2, 3, 4

(d) 2, 1, 3, 4

37. उत्तर -(a)

प्रमुख संस्थाएं एवं उनका स्थापना वर्ष

- बहिष्कृत हितकारिणी सभा - 1924
- अखिल भारतीय दलित वर्ग संस्था - 1930
- इण्डिपेण्डेंट लेबर पार्टी -1936
- अखिल भारतीय अनुसूचित जाति संघ - 1942

अतिरिक्त ज्ञान:

नामशूद्र आंदोलन

- उन्नीसवीं सदी के अंतिम दशक में बंगाल के 'चंडाल' जाति में पैदा हुए **चाँदगुरु (1850-1930)** ने विद्यालय खोलकर अछूतों को शिक्षित किया। 1899 में बंगाल में जाति-निर्धारण सभा की स्थापना की गई और चंडालों को **'नामशूद्र'** नाम दिया गया।
- **'नामशूद्र'** गरीब अछूत किसान थे जो दूरस्थ अंग्रेज आका की अपेक्षा अपना शोषण करने वाले उच्चवर्गीय भद्रलोक को ही अपना शत्रु समझते थे।
- **वर्ष 1901** के पश्चात् पढ़े-लिखें लोगों के एक छोटे-से समूह के आह्वान पर एवं कुछ मिशनरियों के प्रोत्साहन से नाम शूद्रों की जातिगत समितियाँ गठित की जाने लगीं और **'नाम शूद्र', 'पताका'** और **'नाम शूद्र हितैषी'** जैसी पत्रिकाएँ प्रकाशित होने लगी थी।

https://t.me/pcsstudies1

38. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

पुस्तक - लेखक

1. द क्रिसेंट मून - रवीन्द्रनाथ टैगोर
2. सत्यार्थ प्रकाश - स्वामी विवेकानन्द
3. द गोल्डन थ्रेशोल्ड - सरोजिनी नायडू
4. इंडियन अनरेस्ट - वेलेन्टाइन शिरोल

उपर्युक्त में से कितने युग्म सुमेलित है?

(a) दो युग्म

(b) चार युग्म

(c) तीन युग्म

(d) एक युग्म

38. उत्तर -(c)

- **पुस्तक - लेखक**
- द क्रिसेंट मून - रवीन्द्रनाथ टैगोर
- सत्यार्थ प्रकाश - दयानंद सरस्वती
- द गोल्डन थ्रेशोल्ड - सरोजिनी नायडू
- इंडियन अनरेस्ट - वेलेन्टाइन शिरोल

अतिरिक्त ज्ञान:

पुस्तक - लेखक

- कम्युनिष्ट मेनीफेस्टो – कार्ल मार्क्स
- मीनकाम्फ – एडोल्फ हिटलर
- गांधी एण्ड स्टालिन – लुई फिशर
- डिस्कवरी ऑफ इण्डिया – जवाहर लाल नेहरू
- माई एक्सपेरीमेन्ट विद टुथ – महात्मा गांधी

39. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

1. सतनामी आन्दोलन - छत्तीसगढ़

39. उत्तर -(b)

- सतनामी आन्दोलन - छत्तीसगढ़

MakeIAS
www.PDFNOTES.co
search @pcsstudies1 on telegram

2. मटुआ पंथ - बंगाल
3. सत्यशोधक समाज - महाराष्ट्र
4. वायकोम सत्याग्रह - केरल

उपर्युक्त में से कितने युग्म सुमेलित है?

(a) तीन युग्म

(b) चार युग्म

(c) एक युग्म

(d) दो युग्म

- मटुआ पंथ - बंगाल
- सत्यशोधक समाज - महाराष्ट्र
- वायकोम सत्याग्रह - केरल

अतिरिक्त ज्ञान:

- **मंदिर-प्रवेश** के अनेक संगठित आंदोलनों में **मलाबार** में **वर्ष 1924-25** का **वायकोम सत्याग्रह** और **वर्ष 1931-33** का **गुरुवायूर सत्याग्रह,** बंगाल में **वर्ष 1929** का **मुंशीगंज काली मंदिर सत्याग्रह** और **नासिक** (पश्चिमी भारत) में **वर्ष 1936** का **कालाराम मंदिर सत्याग्रह** सबसे महत्त्वपूर्ण थे।

40. निम्नलिखित में किसका/किनका सम्बन्ध वर्ष 1857 के विद्रोह से है/हैं?

1. बेगम हजरत महल
2. रानी लक्ष्मीबाई
3. रानी चेनम्मा
4. कादंबरी गांगुली

कूट:

(a) केवल 2 और 3

(b) केवल 1, 2 और 3

(c) केवल 1 और 2

(d) केवल 3 और 4

40. उत्तर -(c)

वर्ष 1857 के विद्रोह में महिलाएँ

- वर्ष 1857 के महान् विद्रोह, जिसे **भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम** माना जाता है, ने भारत में अंग्रेजी राज की जड़ों को हिला दिया था।
- भारतीय स्वतंत्रता के इस महान् संग्राम में दो वीरांगनाओं का नाम प्रमुखता से लिया जाता है - एक तो लखनऊ की **बेगम हजरत महल** और दूसरे झाँसी की **रानी लक्ष्मीबाई**।
- इनके पूर्व **वर्ष 1824** में **कित्तूर (कर्नाटक)** की **रानी चेनम्मा** ने अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध 'फिरंगियों भारत छोड़ो' का बिगुल बजाया था।

https://t.me/pcsstudies1

अतिरिक्त ज्ञान:

- **वर्ष 1890 में** भारतीय महिला उपन्यासकार **'स्वर्णकुमारी घोषाल'** तथा ब्रिटिश साम्राज्य की पहली महिला स्नातक **'कादंबरी गांगुली' 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस'** के अधिवेशन में प्रतिनिधि के तौर पर शामिल हुई थीं।

MakeIAS WWW.PDFNOTES.CO
search @pcsstudies1 on telegram